हाईस्कूल केन्द्र संख्या-
2498

रोल नं. | | | | | | | | |

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 8

001 **201 (HOA)**

2022
हिन्दी

समय : 3 घण्टे] **[पूर्णांक : 100**

निर्देश : (i) इस प्रश्न-पत्र के **दो** खण्ड **'अ'** तथा **'ब'** हैं। दोनों खण्डों में पूछे गये **सभी** प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(ii) उत्तर यथासम्भव क्रमवार लिखिए। प्रश्नों के अंक उनके सम्मुख अंकित हैं।

खण्ड-अ

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसके नीचे दिये गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए- 2×5=10

ज्ञान राशि के संचित कोश ही का नाम साहित्य है। सब तरह के भावों को प्रकट करने की योग्यता रखने वाली और निर्दोष होने पर भी यदि कोई भाषा अपना निज का साहित्य नहीं रखती तो वह रूपवती भिखारिन की तरह कदापि आदरणीय नहीं हो सकती। उसकी शोभा, उसकी श्रीसंपन्नता, उसकी मान-मर्यादा उसके साहित्य पर ही अवलंबित रहती है। जाति विशेष के उत्कर्ष-अपकर्ष का, उसके उच्च-नीच भावों का, उसके धार्मिक विचारों और सामाजिक संगठन का, उसकी ऐतिहासिक घटनाओं और राजनीतिक स्थितियों का प्रतिबिम्ब देखने को यदि कहीं मिल सकता है तो उसके ग्रन्थ साहित्य में मिल सकता है। सामाजिक शक्ति या सजीवता, सामाजिक अशक्ति या निर्जीवता और सामाजिक सभ्यता तथा असभ्यता का निर्णायक एकमात्र साहित्य है। जिस जाति-विशेष में साहित्य का अभाव या उसकी न्यूनता आपको दीख पड़े, आप निश्चित समझिए कि वह जाति असभ्य किंवा अपूर्ण सभ्य है।

जिस जाति की सामाजिक अवस्था जैसी होती है, उसका साहित्य भी वैसा ही होता है। जातियों की क्षमता और सजीवता यदि कहीं प्रत्यक्ष देखने को मिल सकती है, तो उनके साहित्य रूपी आइने में ही मिल सकती है। इस आइने के सामने जाते ही हमें तत्काल मालूम हो जाता है कि अमुक-जाति की जीवन-शक्ति इस समय कितनी या कैसी है और भूतकाल में कितनी और कैसी थी। आज भोजन करना बंद कर दीजिए, आपका शरीर क्षीण हो जायेगा और नाशोन्मुख होने लगेगा। इसी तरह आप साहित्य के रसास्वादन से अपने मस्तिष्क को वंचित कर दीजिए, वह निष्क्रिय होकर धीरे-धीरे किसी काम का न रह जायेगा। बात यह है कि शरीर के जिस अंग का जो काम है वह उससे यदि न लिया जाय तो उसकी वह काम करने की शक्ति नष्ट हुए बिना नहीं रहती। शरीर का खाद्य भोजन पदार्थ है और मस्तिष्क का खाद्य साहित्य।

Downloaded from cclchapter.com

(क) साहित्य किसे कहते हैं?

(ख) कौन-सी भाषा भिखारिन के समान समझी जाती है?

(ग) संसार में कौन-सी जाति असभ्य कहलाती है?

(घ) साहित्य के रसास्वादन से मस्तिष्क को वंचित करने के क्या परिणाम होंगे?

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

2. दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर किसी **एक** विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबन्ध लिखिए- 10

(क) सत्संगति

(i) प्रस्तावना
(ii) आवश्यकता
(iii) सत्संगति के विविध स्वरूप
(iv) सत्संगति के लाभ

(ख) जनसंख्या वृद्धि

(i) देश में आबादी की वृद्धि दर
(ii) जनसंख्या वृद्धि से उत्पन्न संकट
(iii) भविष्य में जनसंख्या की स्थिति
(iv) जनसंख्या नियंत्रण के उपाय

3. आपके मित्र ने परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की है, इस उपलक्ष्य में मित्र को बधाई पत्र लिखिए। (आपका काल्पनिक नाम क ख ग है।) 5

अथवा

अपने क्षेत्र के किसी समाचार पत्र के सम्पादक को अपने क्षेत्र में शुद्ध पेयजल आपूर्ति हेतु एक पत्र लिखिए। (आपका काल्पनिक नाम क ख ग है।)

4. (क) निम्नांकित वाक्य के आधार पर सही क्रिया-भेद छाँटकर लिखिए- 1

'किसान फसल उगाता है'

(i) अकर्मक क्रिया
(ii) सकर्मक क्रिया
(iii) अकर्मक क्रिया व सकर्मक क्रिया दोनों
(iv) उक्त में कोई नहीं

Downloaded from cclchapter.com

(ख) 'बालिका गेंद से खेल रही है' वाक्य में 'कर्म' क्या है? सही विकल्प छाँटकर लिखिए- 1

(i) बालिका

(ii) गेंद

(iii) खेल

(iv) रही है

(ग) प्रियंका अत्यन्त परिश्रमी है इसलिए परीक्षा में प्रथम आई। (समुच्चय बोधक शब्द छाँटकर लिखिए) 1

(घ) वह प्रतिदिन व्यायाम करता है। (क्रिया-विशेषण शब्द छाँटकर लिखिए) 1

5. (क) 'पुस्तक कलम से लिखी गई।' 1

उक्त वाक्य में प्रयुक्त 'वाच्य' का सही विकल्प छाँटकर लिखिए-

(i) कर्तृवाच्य (ii) कर्मवाच्य

(iii) भाववाच्य (iv) उक्त सभी

(ख) 'राम द्वारा धनुष तोड़ा गया।' (कर्तृवाच्य में परिवर्तित कीजिए) 1

(ग) अपनी-अपनी सामर्थ्य के अनुसार कार्य करना चाहिए। (आज्ञार्थक में बदलिए) 1

(घ) निम्न में से निषेधात्मक वाक्य का चयन कीजिए- 1

(i) लक्ष्मण की पत्नी उर्मिला वन गई थी?

(ii) रावण ने मन्दोदरी की सलाह नहीं मानी।

(iii) वाह! प्रकृति कितनी सुन्दर है।

6. (क) 'जिसका जन्म न हुआ हो' वाक्य के लिए उपयुक्त शब्द छाँटकर लिखिए- 1

(i) अजिर (ii) अजर (iii) अज (iv) अजिन

(ख) सूर्य का समानार्थक शब्द है- 1

(i) भास्कर (ii) रत्नाकर (iii) मधुकर (iv) निशाकर

Downloaded from cclchapter.com

7. निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर किसी **एक** काव्यांश के नीचे दिये गये किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए- 3×2=6

(i) बिहसि लखनु बोले मृदु बानी। अहो मुनीसु महाभट मानी।।
पुनि पुनि मोहि देखाव कुठारू। चहत उड़ावन फूँकि पहारू।।
इहाँ कुम्हड़बतिया कोउ नाहीं। जे तरजनी देखि मरि जाहीं।।
देखि कुठारु सरासन बाना। मैं कछु कहा सहित अभिमाना।।
भृगुसुत समुझि जनेउ बिलोकी। जो कछु कहहु सहौं रिस रोकी।।
सुर महिसुर हरिजन अरु गाई। हमरे कुल इन्ह पर न सुराई।।
बधें पापु अपकीरति हारें। मारतहू पा परिअ तुम्हारें।।
कोटि कुलिस सम बचनु तुम्हारा। ब्यर्थ धरहु धनु बान कुठारा।।

(क) लक्ष्मण ने परशुराम को मृदुवाणी में क्या समझाया?

(ख) लक्ष्मण ने अपनी कुल परम्परा के बारे में क्या बताया?

(ग) 'इहाँ कुम्हड़बतिया कोउ नाहीं' में निहित अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(ii) माँ ने कहा पानी में झाँककर
अपने चेहरे पर मत रीझना
आग रोटियाँ सेंकने के लिए है
जलने के लिए नहीं
वस्त्र और आभूषण शाब्दिक भ्रमों की तरह
बंधन हैं स्त्री जीवन के
माँ ने कहा लड़की होना
पर लड़की जैसी दिखाई मत देना।

(क) 'आग रोटियाँ सेंकने के लिए है, जलने के लिए नहीं'- ऐसा कवि ने क्यों कहा है?

(ख) 'लड़की होना पर लड़की जैसी दिखाई मत देना' का भाव स्पष्ट कीजिए।

(ग) उक्त कविता के कवि और कविता का शीर्षक बताइए।

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 3×2=6

(क) 'उत्साह' कविता में बादल किन-किन अर्थों की ओर संकेत करता है?

(ख) गोपियों ने उद्धव से योग की शिक्षा कैसे लोगों को देने की बात कही है?

(ग) भ्रमरगीत से आप क्या समझते हैं तथा भ्रमर को किसका प्रतीक माना गया है?

Downloaded from cclchapter.com

9. (क) 'अट नहीं रही है' शीर्षक के आधार पर बताइए कि फागुन में ऐसा क्या होता है जो बाकी ऋतुओं से भिन्न होता है? 2

(ख) परशुराम के क्रोध करने पर लक्ष्मण ने धनुष के टूट जाने के लिए कौन-कौन से तर्क दिए? 2

10. निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर किसी **एक** गद्यांश के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए- 2×2=4

(i) फ़ादर बुल्के संकल्प से संन्यासी थे। कभी-कभी लगता है वह मन से संन्यासी नहीं थे। रिश्ता बनाते थे तो तोड़ते नहीं थे। दसियों साल बाद मिलने के बाद भी उसकी गंध महसूस होती थी। वह जब भी दिल्ली आते जरूर मिलते-खोजकर, समय निकालकर, गर्मी, सर्दी बरसात झेलकर मिलते, चाहे दो मिनट के लिए ही सही। यह कौन संन्यासी करता है? उनकी चिंता हिन्दी को राष्ट्रभाषा के रूप में देखने की थी। हर मंच से इसकी तकलीफ़ बयान करते, इसके लिए अकाट्य तर्क देते। बस इसी एक सवाल पर उन्हें झुँझलाते देखा है और हिन्दी वालों द्वारा ही हिन्दी की उपेक्षा पर दुःख करते उन्हें पाया है। घर-परिवार के बारे में, निजी दुख-तकलीफ के बारे में पूछना उनका स्वभाव था और बड़े से बड़े दुख में उनके मुख से सांत्वना के जादू भरे दो शब्द सुनना एक ऐसी रोशनी से भर देता था जो किसी गहरी तपस्या से जनमती है। 'हर मौत दिखाती है जीवन को नयी राह।'

(क) फ़ादर बुल्के की चिंता क्या थी और क्यों?

(ख) हिन्दी वालों द्वारा हिन्दी की उपेक्षा से फ़ादर बुल्के पर क्या प्रतिक्रिया हुई?

(ii) आसाढ़ की रिमझिम है। समूचा गाँव खेतों में उतर पड़ा है। कहीं हल चल रहे हैं; कहीं रोपनी हो रही है। धान के पानी-भरे खेतों में बच्चे उछल रहे हैं। औरतें कलेवा लेकर मेंड़ पर बैठी हैं। आसमान बादल से घिरा; धूप का नाम नहीं। ठंडी पुरवाई चल रही। ऐसे ही समय आपके कानों में एक स्वर-तरंग झंकार-सी कर उठी। यह क्या है-यह कौन है! यह पूछना न पड़ेगा। बालगोबिन भगत समूचा शरीर कीचड़ में लिथड़े, अपने खेत में रोपनी कर रहे हैं। उनकी अँगुली एक-एक धान के पौधे को, पंक्तिबद्ध, खेत में बिठा रही है। उनका कंठ एक-एक शब्द को संगीत के जीने पर चढ़ाकर कुछ को ऊपर,स्वर्ग की ओर भेज रहा है और कुछ को इस पृथ्वी की मिट्टी पर खड़े लोगों के कानों की ओर! बच्चे खेलते हुए झूम उठते हैं; मेंड़ पर खड़ी औरतों के होंठ काँप उठते हैं, वे गुनगुनाने लगती हैं; हलवाहों के पैर ताल से उठने लगते हैं; रोपनी करने वालों की अँगुलियाँ एक अजीब क्रम से चलने लगती हैं!

(क) आसाढ़ की रिमझिम का जनजीवन पर पड़ने वाले प्रभाव का चित्रण कीजिए।

(ख) बालगोबिन भगत के मधुर संगीत की विशेषताएँ बताइए।

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए- 2×2=4

(क) सेनानी न होते हुए भी चश्मे वाले को लोग कैप्टन क्यों कहते थे?

(ख) फादर बुल्के भारतीय संस्कृति के अभिन्न अंग हैं, किस आधार पर ऐसा कहा गया है?

(ग) पठित पाठ के आधार पर बताइए कि बालगोबिन भगत सामाजिक मान्यताओं को नहीं मानते थे।

Downloaded from cclchapter.com

12. (क) हालदार साहब हमेशा चौराहे पर रुकते और नेताजी को निहारते, क्यों? 'नेताजी का चश्मा' कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए, 3

(ख) बालगोबिन भगत की दिनचर्या लोगों के अचरज का कारण क्यों थी? 2

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2×3=6

(क) 'माता का अँचल' पाठ के आधार पर सन्तान के प्रति माँ की ममता और पिता के दुलार का चित्रण अपने शब्दों में कीजिए।

(ख) 'जार्ज पंचम की नाक' कहानी के आधार पर सरकारी तंत्र की मानसिकता का वर्णन कीजिए।

(ग) गंतोक को 'मेहनतकश बादशाहों का शहर' क्यों कहा गया है? स्पष्ट कीजिए।

(घ) साना साना हाथ जोड़ि .... कहानी के आधार पर बताइए कि प्रकृति ने जल संचय की व्यवस्था किस प्रकार की है?

खण्ड-ब

14. अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा **त्रीन्** प्रश्नान् पूर्णवाक्येन उत्तरत - 2×3=6

(निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए-

हरिद्वारम् उत्तराखण्डस्य ऐतिहासिकं, सांस्कृतिकं, पौराणिकं, विश्वविख्यातं नगरम् अस्ति। भारतीया संस्कृतिः, राष्ट्रियैक्यभावः, देशस्य गरिमाबोधः च हरिद्वारस्य कणे-कणे व्याप्ताः सन्ति।

पतितपावनी पापविमोचनी मोक्षदायिनी भगवती भागीरथी गंगा पर्वतशिखराणां मध्ये विचरन्ती कलकलनिनादं त्यक्त्वा शान्तस्वरेण हरिद्वारतः एव समभूमिं प्रविशति। गङ्गाम् उभयतः मन्दिराणि, घट्टाः, आश्रमाः च सन्ति। तान् निकषा जनाः पूजां कुर्वन्ति। हरिद्वारम्, हरद्वारम, स्वर्गद्वारम्, तपोवनम्, मायाक्षेत्रम्, मायापुरी, कपिलाश्रमः, कपिला च अस्यैव पुण्यक्षेत्रस्यं हरिद्वारस्य अपराणि नामानि पुराणेषु वर्णितातिनि सन्ति।

(क) हरिद्वारम् उत्तराखण्डस्य कीदृशं नगरम् अस्ति?

(ख) हरिद्वारस्य कणे-कणे के व्याप्ताः सन्ति?

(ग) कीदृशी गङ्गा समभूमिं प्रविशति?

(घ) हरिद्वारस्य कानि अपराणि नामानि पुराणेषु वर्णितानि सन्ति?

Downloaded from cclchapter.com

15. अधोलिखितं पद्यांशं पठित्वा **द्वौ** प्रश्नौ पूर्णवाक्येन उत्तरत- 2×2=4

(निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए)

न वै ताडनाद् तापनाद् वह्निमध्ये
न वै विक्रयाद् क्लिश्यमानोऽहमस्मि।
सुवर्णस्य मे मुख्यदुःखं तदेकं
यतो मां जनाः गुञ्जया तोलयन्ति।।

(क) वह्निमध्ये तापनाद् कः क्लिश्यमानो नास्ति?

(ख) सुवर्णस्य मुख्य दुःखं किम् अस्ति?

(ग) जनाः सुवर्णं कया तोलयन्ति?

16. पठित पाठाधारितान **त्रीन** प्रश्नान् पूर्णवाक्येन उत्तरत- 2×3=6

(पठित पाठ के आधार पर किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए।)

(क) 'सत्सङ्गतिः' इति शब्दस्य कः अर्थः?

(ख) मुनयः किं प्राप्तुं हिमालयं गच्छन्ति?

(ग) नीरक्षीरविवेकी कः भवति?

(घ) राजा रघुः कस्य पुत्रः आसीत्?

17. अधोलिखितेषु शब्देषु यथोचितं शब्दं चित्वा केवलं **चत्वारि** रिक्त स्थानानि पूरयत- 1×4=4

(निम्नलिखित दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर किन्हीं चार वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए)

शब्द सूचीः - मुनयः, सत्संगति, सुखस्य, चन्द्रगुप्तस्य, लक्ष्यम्, पठामि

(क) सर्वेषां धर्माणाम् एकम् एव .... अस्ति।

(ख) दुःखस्य बिना नैव .... बोधः।

(ग) गङ्गातीरे .... निवसन्ति।

(घ) चाणक्यः .... मंत्री आसीत्।

(ङ) सज्जनानां संगति .... भवति।

(च) अहं संस्कृतम् ....।

Downloaded from cclchapter.com

18. अधोलिखितेभ्यः यथानिर्देशं केवलं **त्रीन** प्रश्नान् उत्तरत- 2×3=6

(निम्नलिखित में से निर्देशानुसार किन्हीं **तीन** प्रश्नों का उत्तर दीजिए)

(क) सन्धिं कुरूत (सन्धि कीजिए)-
हरे + अव, यदि + अपि

(ख) सन्धि विच्छेदं कुरूत (सन्धि विच्छेद कीजिए)-
स्वागतम्, नयनम्

(ग) समास विग्रहं कृत्वा समासस्य नामोल्लेखं कुरूत-
(समास विग्रह कर समास का नाम लिखिए)
रामलक्ष्मणौ, हिमालयः

(घ) अधोलिखितेभ्यः पदेभ्यः उपसर्गान् पृथककृत्वा लिखत-
(निम्नलिखित पदों में उपसर्ग अलग कर लिखिए)
अनभिज्ञः, सुशिक्षित

(ङ) कोष्ठके प्रदत्तेषु शब्देषु शुद्धं शब्दं चित्वा रिक्त स्थानानि पूरयत-
(कोष्ठक में दिये गये शब्दों में से शुद्ध शब्द चुनकर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए)

(i) .... पत्राणि पतन्ति। (वृक्षेण/वृक्षात्)

(ii) बालकः .... पुस्तकम् ददाति। (मित्राय/मित्रम्)

19. निम्नांकित शब्दसूचीतः **चतुर्णाम्** शब्दानां वाक्यप्रयोगं कुरुत-
(निम्न शब्दों में से किन्हीं **चार** का वाक्यों में प्रयोग कीजिए) 1×4=4

(क) सः (ख) गमिष्यामि (ग) रामस्य

(घ) आसीत् (ङ) वयम् (च) जिघ्रति

अथवा

अधोलिखित वाक्येभ्यः **द्वयोः** संस्कृतानुवादं कुरूत- 2×2=4

(निम्न वाक्यों में से किन्हीं **दो** का संस्कृत में अनुवाद कीजिए)

(क) तुम दोनों खेलोगे।

(ख) हम सब विद्यालय गये।

(ग) वह रामचरितमानस पढ़ती है।

*****

Downloaded from cclchapter.com